कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना का विश्लेषणात्मक अध्ययन

***नीतिका सक्सेना एवं **डॉ0 आकाश वर्मा**

*शोध छात्रा, बी0एड0 विभाग, वी.एस.एस.डी. कालेज, कानपुर

**असिस्टेंट प्रोफेसर, बी0एड0 विभाग, वी.एस.एस.डी. कालेज, कानपुर

सारांश

कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय (KGBV) योजना का विश्लेषणात्मक अध्ययन'' शीर्षक के अंतर्गत प्रस्तुत यह शोध कार्य भारत सरकार द्वारा संचालित इस महत्वपूर्ण योजना के क्रियान्वयन, प्रभाव एवं शैक्षिक गुणवत्ता का समग्र विश्लेषण करता है। इस योजना का उद्देश्य सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वंचित वर्गों की बालिकाओं को निःशुल्क, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराना है, जिससे उनकी शैक्षिक भागीदारी एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल सके। इस अध्ययन में वर्णात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध विधि का उपयोग किया गया है। शोध हेतु प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों प्रकार के आँकड़ों का संकलन किया गया, जिसमें छात्राओं, शिक्षकों एवं अभिभावकों से प्राप्त सूचनाओं के साथ–साथ सरकारी रिपोर्टो एवं पूर्व शोध अध्ययनों का भी समावेश किया गया। अध्ययन के माध्यम से योजना के क्रियान्वयन की स्थिति, शिक्षण, सीखने की प्रक्रिया, आधारभूत सुविधाओं तथा छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन के निष्कर्षों से ज्ञात होता है कि KGBV योजना ने बालिका शिक्षा के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, विशेषकर ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में। इससे विद्यालय में नामांकन एवं उपस्थिति दर में वृद्धि हुई है तथा बालिकाओं के आत्मविश्वास एवं सामाजिक सशक्तिकरण में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है। तथापि कुछ क्षेत्रों में अवसंरचना की कमी, प्रशिक्षित शिक्षकों का अभाव एवं संसाधनों की सीमितता जैसी चुनौतियाँ भी पाई गई हैं। अतः यह शोध सुझाव देता कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु संसाधनों का सुदृढ़ीकरण शिक्षकों का प्रशिक्षण एवं सतत् निगरानी आवश्यक है, जिससे बालिका शिक्षा को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

मुख्य शब्द– कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, समग्र शिक्षा, शैक्षिक सुविधायें, बालिका सशक्तिकरण, विद्यालय नामांकन, बालिका शिक्षा।

प्रस्तावना – भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा सामाजिक परिवर्तन एवं सशक्तिकरण का प्रमुख साधन मानी जाती है, फिर भी लंबे समय तक बालिका शिक्षा उपेक्षित रही है। विशेषकर ग्रामीण एवं वंचित वर्गों में बालिकाओं की शिक्षा अनेक सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक बाधाओं से प्रभावित रही है। जनगणना 2011 के अनुसार भारत की महिला साक्षरता दर लगभग 65.46% थी, जो पुरुषों की तुलना में काफी कम थी, यद्यपि बाद में वर्षों में इसमें सुधार हुआ फिर भी लैंगिक असमानता पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाई है। शिक्षा मन्त्रालय तथा यूनेस्को की रिर्पोट में भी यह स्पष्ट किया गया है कि शिक्षा तक समान पहुँच सुनिश्चित करना सतत् विकास का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है।

इसी परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार ने वर्ष 2004 में कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय (KGBV) योजना की शुरुआत की। इस योजना का मुख्य उद्देश्य उन बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है, जो सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गो– जैसे अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) एवं अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित हैं तथा जो किसी कारणवश विद्यालय से वंचित रह गई हैं। विशेष रूप से शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों के लिए यह योजना आवासीय विद्यालयों की स्थापना के माध्यम से संचालित की जाती है, जहाँ बालिकाओं को निःशुल्क शिक्षा,

आवास भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधायें प्रदान की जाती है। समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत इस योजना को वर्ष 2018–19 में समाहित कर दिया गया, जिससे इस योजना के दायरे का विस्तार हुआ और कक्षा 6–12 तक की बालिकाओं को इसमें सम्मिलित किया गया। भारत में वर्तमान में 5000 से अधिक क. गा.बा.वि. स्थापित किए जा चुके हैं जिनमें लगभग 7 लाख से अधिक छात्रायें नामांकित हैं।[1] क.गा.बा.वि. योजना न केवल शैक्षिक अवसर प्रदान करती है, बल्कि यह बालिकाओं के समग्र विकास जैसे– जीवन कौशल, आत्मनिर्भरता, स्वास्थ्य, जागरूकता एवं सामाजिक सहभागिता को भी प्रोत्साहित करती है। इसके माध्यम से बाल विवाह, लैंगिक भेदभाव एवं अशिक्षा जैसी सामाजिक समस्याओं में भी कमी लाने का प्रयास किया गया है। हालांकि, योजना के सफल क्रियान्वयन के बावजूद विभिन्न क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं की कमी, शिक्षकों की उपलब्धता तथा गुणवत्ता–युक्त शिक्षा प्रदान करने में चुनौतियाँ सामने आती रही हैं।

अतः प्रस्तुत शोध ''कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना का विश्लेषणात्मक अध्ययन'' इन सभी पहलुओं– क्रियान्वयन, प्रभाव, उपलब्धियों एवं चुनौतियों का गहन विश्लेषण करने का प्रयास करता है जिससे योजना की वास्तविक स्थिति का आँकलन किया जा सके तथा भविष्य के लिए उपयोगी सुझाव प्रस्तुत किए जा सकें।

शोध के उद्देश्य –

1. कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करना।
2. कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना के अन्तर्गत उपलब्ध शैक्षिक सुविधाओं एवं आधारभूत संरचना का विश्लेषण करना।
3. कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की गुणवत्ता का विश्लेषण करना।
4. कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना के माध्यम से बालिकाओं के सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक सशक्तिकरण का अध्ययन करना।
5. कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना के अंतर्गत आने वाली समस्याओं एवं चुनौतियों की पहचान करना।
6. कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालययोजना की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु उपयुक्त सुझाव प्रदान करना।

शोध प्रश्न –

1. कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना का क्रियान्वयन किस स्तर तक प्रभावी है?
2. कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय में उपलब्ध शैक्षिक एवं आवासीय सुविधाएँ कितनी संतोषजनक है?
3. कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालयों में शिक्षण अधिगम की गुणवत्ता कैसी है?
4. कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना का बालिकाओं के आत्मविश्वास एवं सामाजिक सशक्तिकरण पर क्या प्रभाव पड़ा है?
5. कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना के क्रियान्वयन में मुख्य बाधाएँ एवं समस्यायें कौन सी हैं?
6. कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालययोजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए किन–किन सुधारों की आवश्यकता है?

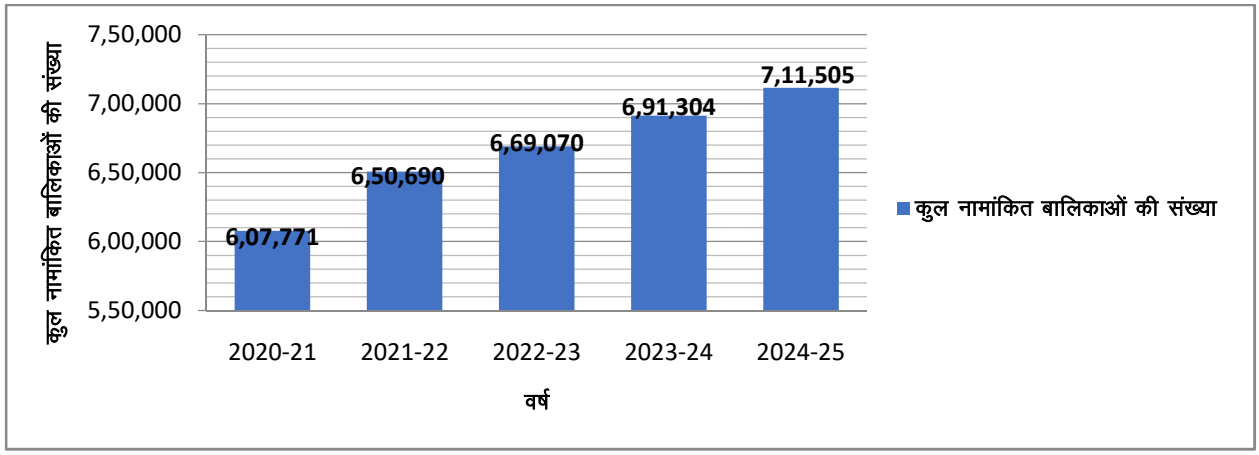
1. कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति का अध्ययन –

कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना वर्तमान में भारत में बालिका शिक्षा को सशक्त बनाने की एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में कार्य कर रही है। यह योजना विशेष कर सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वंचित वर्गो जैसे– अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक समुदाय की बालिकाओं को निःशुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। वर्तमान में यह योजना समग्र शिक्षा के अंतर्गत संचालित हो रही है, जिसका लक्ष्य शिक्षा में समान अवसर एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करना है।[2]

वर्तमान आँकड़ों (तालिका संख्या–1) के अनुसार देशभर में क0गा0बा0वि0 योजना के अन्तर्गत बालिकाओं के नामांकन में निरंतर वृद्धि देखी गई है।

तालिका संख्या–1

क्र.सं.	वर्ष	कुल नामांकित बालिकाओं की संख्या
1.	2020–21	6,07,771
2.	2021–22	6,50,690
3.	2022–23	6,69,070
4.	2023–24	6,91,304
5.	2024–25	7,11,505

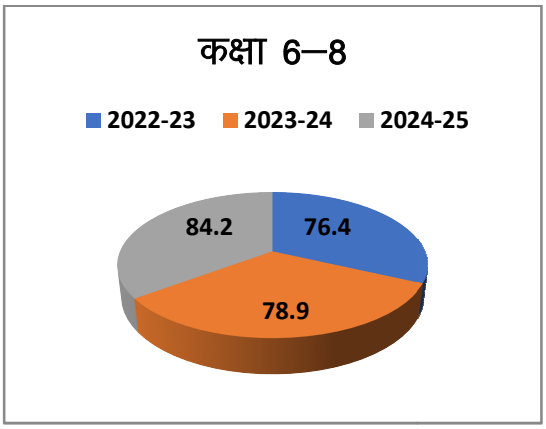


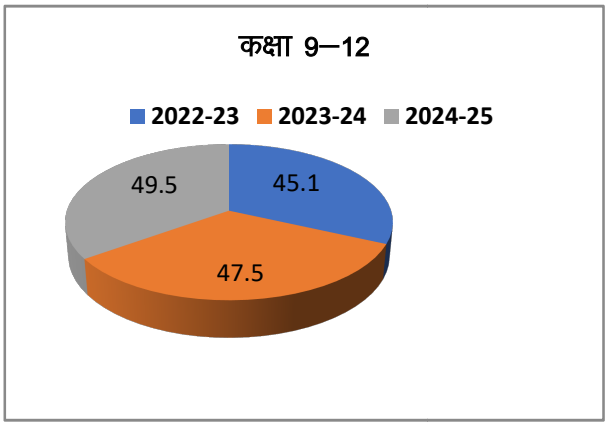
उपरोक्त आँकड़े यह दर्शाते हैं कि योजना ने बालिका शिक्षा के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके अतिरिक्त विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार देश में 5000 से अधिक क0गाबा0 विद्यालय संचालित हो रहे हैं, जिनमें लाखों बालिकाएँ शिक्षा प्राप्त कर रही हैं।

क्रियान्वयन के स्तर पर देखा जाए तो यह योजना शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों में विशेष रूप से प्रभावी रही है, जहाँ बालिकाओं की साक्षरता दर पहले बहुत कम थी। योजना के अंतर्गत कक्षा 6 से 12 तक की शिक्षा के साथ–साथ छात्राओं को आवास, भोजन, स्वास्थ्य सेवाएँ एवं जीवन कौशल प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। इससे बालिकाओं के विद्यालय मे नामांकन, उपस्थिति एवं निरन्तरता में सुधार हुआ है।

कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय में 3 वर्षों में प्रतिधारण दर का प्रतिशत

स्तर	2022–23	2023–24	2024–25
कक्षा 6–8	76.4	78.9	84.2
कक्षा 9–12	45.1	47.5	49.5





हाल के आँकड़ों के अनुसार कक्षा 6 से 8 तक लगभग 84.2% प्रतिधारण दर दर्ज की गई है, जो इस योजना की प्रभावशीलता को दर्शाती है। हालांकि माध्यमिक स्तर पर यह दर अपेक्षाकृत कम पाई गई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि उच्च कक्षाओं में निरन्तरता बनाए रखना अभी भी एक चुनौती है। राज्य स्तर पर भी योजना के क्रियान्वयन में सुधार पाया गया। उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश में क0गा0बा0 विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं जैसे ICT लैब, छात्रावास, शौचालय एवं कम्प्यूटर लैब का विस्तार किया गया है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इसके अतिरिक्त कई विद्यालयों में कम्प्यूटर एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) जैसी आधुनिक शिक्षा को भी शामिल किया जा रहा है, जिससे बालिकाओं को डिजिटल युग के अनुरूप तैयार किया जा सके। इसके बाद भी योजना के क्रियान्वयन में कुछ चुनौतियाँ अभी भी विद्यमान हैं जैसे– कुछ क्षेत्रों में अधूरी अवसंरचना, प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी, माध्यमिक स्तर पर उच्च ड्रॉपआउट दर (UDISE) साथ ही विभिन्न राज्यों में योजना के कार्यान्वयन में असमानता भी देखी जाती है, जिससे इसकी प्रभावशीलता प्रभावित होती है। अतः समग्र रूप से देखा जाए तो क0गा0बा0वि0 योजना का वर्तमान क्रियान्वयन बालिका शिक्षा के विस्तार में सकारात्मक भूमिका निभा रहा है, परन्तु इसकी गुणवत्ता एवं स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए निरंतर सुधार, निगरानी एवं संसाधनों के सुदृढीकरण की आवश्यकता बनी हुई है।

2. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना के अन्तर्गत उपलब्ध शैक्षिक सुविधाओं एवं आधारभूत संरचना का विश्लेषण

क0गा0बा0 विद्यालय योजना के अंतर्गत शैक्षिक सुविधाओं एवं आधारभूत संरचना का विकास बालिका शिक्षा को सुदृढ करने का एक महत्वपूर्ण घटक है। वर्तमान समय में इस योजना के माध्यम से विद्यालयों में भौतिक, शैक्षिक तथा डिजिटल संसाधनों का विस्तार किया जा रहा है। क0गा0बा0 विद्यालयों में छात्राओं के लिए कक्षाएँ, छात्रावास, भोजन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय एवं सुरक्षा व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती है, जिससे वे सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण में अध्ययन कर सकें।[6] शैक्षिक सुविधाओं के सन्दर्भ में क0गा0बा0 विद्यालयों में पाठ्य–पुस्तकें, पुस्तकालय, शिक्षण अधिगम सामग्री (TLM),

प्रयोगशालाएँ तथा शैक्षिक किट उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके अतिरिक्त समग्र शिक्षा के दिशा–निर्देशों के अनुसार विद्यालयों में फर्नीचर, प्रयोगशाला उपकरण, कम्प्यूटर एवं अन्य शैक्षिक संसाधनों की व्यवस्था की जाती है, जिससे शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में भी हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति देखी गई है। वर्ष 2024 में शिक्षा मंत्रालय द्वारा क0गा0बा0 विद्यालय में ICT लैब एवं स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने का निर्णय लिया गया, जिससे लगभग 7 लाख बालिकाओं को डिजिटल शिक्षा से जोड़ा जा सके। इसके माध्यम से छात्राओं को SWAYAM, DIKSHA, e-PATHSHALA जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म तक पहुँच प्रदान की जा रही है, जो उनकी सीखने की गुणवत्ता को बढ़ाने में सहायक है। इस योजना के अन्तर्गत राज्य स्तर पर भी आधारभूत संरचना में सुधार के प्रयास किए गए हैं। उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश में क0गा0बा0 विद्यालय में छात्रावास, कम्प्यूटर प्रयोगशाला एवं शौचालय का निर्माण किया गया है, जिससे छात्राओं के रहने एवं पढ़ने की सुविधाओं में भी सुधार हुआ है। इसी के साथ कुछ राज्यों में नए छात्रावास भवन एवं अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण कर उच्च कक्षाओं तक विस्तार किया जा रहा है।

इन सुधारों के बावजूद भी सभी क्षेत्रों में समान रूप से सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। कुछ अध्ययनों में यह पाया गया कि कई क0गा0बा0 विद्यालयों में अपर्याप्त कक्षायें अनुचित स्वच्छता व्यवस्था, सीमित डिजिटल संसाधन जैसी समस्यायें अभी भी मौजूद है जिससे छात्राओं की उपस्थिति एवं शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव पड़ता है।अतः समग्र रूप से कहा जा सकता है कि क0गा0बा0 विद्यालय योजना के अंतर्गत शैक्षिक सुविधाओं एवं आधारभूत संरचना में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, फिर भी इन सुविधाओं की गुणवत्ता एवं समान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निवेश, निगरानी एवं सुधार की आवश्यकता बनी हुई है, जिससे बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा सके।

3. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की गुणवत्ता का विश्लेषण –

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के सन्दर्भ में क0गा0बा0वि0 में पारंपरिक शिक्षक केन्द्रित पद्धति से हटकर केन्द्रित एवं गतिविधि आधारित शिक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। समग्र शिक्षा के अन्तर्गत कला, भूमिका निर्वाह, प्रायोगिक अधिगम जैसी गतिविधियों को शामिल किया गया है, जिससे छात्राओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ती है और सीखना अधिक प्रभावी बनता है। क0गा0बा0 विद्यालयों में आने वाली छात्रायें पहले से ही शैक्षिक रूप से अत्यधिक मजबूत पृष्ठभूमि से नहीं होती है – जैसे कि कई छात्रायें प्राथमिक स्तर की बुनियादी पढ़ने–लिखने की क्षमता के बिना ही कक्षा 6 में प्रवेश लेती हैं। इस कारण शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में उन्हें पुर्नबलन देना अत्यन्त आवश्यक होता है। एक अध्ययन के अनुसार विशेष पठन सुधार कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं की पढ़ने एवं समझने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे वे स्मृति स्तर से चिंतन स्तर तक पहुँच सकें। डिजिटल शिक्षा के समावेश से भी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सुधार देखा गया है। हाल में कुछ प्रयासों के अन्तर्गत क0गा0बा0वि0 में कम्प्यूटर शिक्षा, ICT लैब एवं स्मार्ट क्लासरूम की व्यवस्था की जा रही है, जिससे छात्राओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से सीखने का अवसर मिल रहा है। इससे उनकी सहभागिता, रूचि एवं समझ में वृद्धि होती है। 2017 में ब्रिटिश काउंसिल एवं सर्व शिक्षा अभियान उत्तर प्रदेश के द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से एक परियोजना क0गा0बा0वि0 के लिए प्रारम्भ की गई जिसका उद्देश्य पूरे प्रदेश के 746 स्कूलों के अंग्रेजी शिक्षकों के साथ काम करके उनकी अंग्रेजी भाषा में दक्षता विकसित करना था तथा शिक्षार्थी केन्द्रित दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना था जिससे शिक्षार्थियों को भाषा से परिचित कराया जा सके तथा उनके शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में सुधार के लिए सक्रिय भागीदारी को बढ़ाया जा सके।

इस परियोजना के अन्तर्गत शिक्षकों का एक दल तैयार किया गया जिन्हें क0गा0बा0वि0 में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को बढ़ावा देने तथा अंग्रेजी शिक्षकों के कौशल को विशिष्ट शिक्षार्थी केन्द्रित बनाने के लिए तैयार किया गया। उन्होंने क0गा0बा0 विद्यालयों की बालिकाओं को 21वीं सदी के लिए कौशलों के साथ तैयार करने का कार्य किया। इसके पश्चात् भी शिक्षण–अधिगम की गुणवत्ता के सामने कई चुनौतियाँ मौजूद हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की रिपोर्ट के अनुसार क0गा0बावि0 में लगभग 19% शिक्षक ही नियमित हैं, शेष संविदा या अस्थायी आधार पर कार्यरत हैं, जिससे शिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसके अतिरिक्त शिक्षक प्रशिक्षण की कमी, उच्च शिक्षक–छात्र अनुपात एवं निरंतर निगरानी का अभाव भी गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। एक विश्लेषण में यह भी पाया गया कि क0गा0बा0वि0 योजना ने नामांकन एवं प्रतिधारण में तो अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में अभी भी सुधार की आवश्यकता है।

4. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना का बालिकाओं के सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक सशक्तिकरण पर प्रभाव –

कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना का बालिकाओं के आत्मविश्वास एवं सामाजिक सशक्तिकरण पर व्यापक और सकारात्मक प्रभाव देखा गया है। यह योजना मुख्यतः सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक रूप से वंचित वर्गों की बालिकाओं को शिक्षा प्रदान करती है जिससे उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण परिवर्तन होता है। शोध अध्ययनों के अनुसार विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं में आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल में उल्लेखनीय वृद्धि पाई गई है। इसी के साथ यह भी ज्ञात हुआ कि क0गा0बा0वि0 योजना ने बालिकाओं के बाल विवाह, लैंगिक असमानता एवं विद्यालय छोड़ने की प्रवृत्ति जैसी अनेक सामाजिक कुरीतियों को कम करने में अपना योगदान दिया है। इसके अतिरिक्त क0गा0बा0वि0 योजना बालिकाओं को एक सुरक्षित एवं सहयोगात्मक वातावरण प्रदान करती है जहाँ वे स्वतंत्र रूप से अपनी बात रख सकती हैं एवं सामाजिक बंधनों से बाहर निकलकर सीखने के अवसर प्राप्त करती हैं। यह विद्यालय उन्हें स्वावलंबी एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने में सहायता करता है। इसी के साथ यह विद्यालय 'सशक्तिकरण के क्षेत्र' के रूप में कार्य करते हैं जहाँ बालिकाएँ अपने जीवन से जुड़े निर्णयों में भागीदारी करना सीखती हैं।

सामाजिक सशक्तिकरण के संदर्भ में योजना ने बालिकाओं की सामाजिक स्थिति एवं भूमिका को मजबूत करने का कार्य किया है। विभिन्न अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि इन विद्यालयों में शिक्षित बालिकाएँ परिवार एवं समाज में अधिक सम्मान प्राप्त करती हैं और पारंपरिक रूढ़ियों को चुनौती देने में सक्षम होती हैं। क0गा0बा0वि0 के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करने वाली बालिकायें अनेक सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूक होकर उनके विरूद्ध आवाज उठाने लगी। कुछ वर्षो में विभिन्न सरकारी पहल– जैसे स्वच्छ गरिमा अभियान एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण ने भी बालिकाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बालिकाओं को स्वास्थ्य सुरक्षा एवं जीवन कौशल की जानकारी दी जाती है। जिससे वे अधिक सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनती है। अतः निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि क0गा0बा0वि0 योजना ने बालिकाओं के आत्मविश्वास एवं सामाजिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, फिर भी विभिन्न क्षेत्रों में असमानताओं को दूर करने एवं निरन्तर सुधार के लिए और प्रयासों की आवश्यकता बनी हुई है जिससे सभी बालिकाओं को समान रूप से सशक्त बनाया जा सके।

5. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना के क्रियान्वयन में आने वाली समस्यायें एवं चुनौतियाँ–

कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद कई संरचनात्मक एवं प्रबंधन सम्बन्धी बाधायें सामने आती हैं, जो इसकी प्रभावशीलता को प्रभावित करती हैं। इन प्रमुख समस्याओं को कुछ बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट समझा जा सकता है –

- सबसे प्रमुख समस्या अपर्याप्त आधारभूत संरचना की है। विभिन्न ऑडिट रिपोर्टों के अनुसार कई क0गा0बा0 विद्यालयों में भवन निर्माण अधूरा है तथा छात्रावासों की क्षमता सीमित है। इसके साथ ही स्वच्छ पेयजल, शौचालय एवं सुरक्षा सुविधायें पर्याप्त नहीं है। इससे छात्राओं के रहने एवं पढ़ने के वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।[13]
- शिक्षकों की कमी एवं अस्थायी नियुक्ति भी एक समस्या है। राष्ट्रीय स्तर की रिपोर्टो में पाया गया है कि क0गा0बा0वि0 में बड़ी संख्या में संविदा शिक्षक कार्यरत है, जिससे शिक्षण की निरन्तरता एवं गुणवत्ता प्रभावित होती है। कुछ अध्ययनों के अनुसार नियमित शिक्षकों का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम है, जिसके कारण शिक्षक–छात्रा अनुपात भी असंतुलित रहता है।[14]
- अन्य चुनौती अधिगम स्तर से संबंधित है। क0गा0बा0 विद्यालयों में आने वाली अधिकांश छात्रायें शैक्षिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से होती हैं, जिससे उन्हें मुख्यधारा पाठ्यक्रम के साथ सामंजस्य बैठाने में कठिनाई होती है। यद्यपि उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था है, फिर भी कई रिपोर्टो में यह पाया गया है कि आपेक्षित स्तर के अधिगम परिणाम अभी भी प्राप्त नहीं हो पा रहे हैं।[15]
- इसके अतिरिक्त ड्रॉपआउट एवं प्रतिधारण भी एक महत्वपूर्ण समस्या है। उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार माध्यमिक स्तर (कक्षा 9–12) पर छात्राओं की उपस्थिति में कमी देखी जाती है। जो सामाजिक कारणों– जैसे पारिवारिक जिम्मेदारियाँ, आर्थिक दबाव एवं प्रारंभिक विवाह से प्रभावित होती है।[16]
- अन्य समस्या प्रशासनिक निगरानी एवं समन्वय की कमी है। विभिन्न राज्यों में योजना के क्रियान्वयन में असमानता पाई जाती है, जिससे संसाधनों का समान वितरण नहीं हो पाता।

अतः कहा जा सकता है कि क0गा0बा0वि0 योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए संरचना सुधार, स्थायी शिक्षक नियुक्ति, प्रभावी निगरानी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है तभी यह योजना अपने उद्देश्यों को पूर्ण रूप से प्राप्त कर सकेगी।

6. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना को प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक सुझाव–

कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुधार आवश्यक हैं। जिनमें सर्वप्रथम आधारभूत, संरचना को सुदृढ़ करना अत्यन्त आवश्यक है, इसके अन्तर्गत पर्याप्त कक्षायें, सुरक्षित छात्रावास, स्वच्छ पेयजल, शौचालय एवं डिजिटल सुविधायें सुनिश्चित की जाएँ। इसी के साथ नियमित एवं प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। संविदा शिक्षकों की संख्या कम कर स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति तथा निरंतर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन आवश्यक है, ताकि शिक्षण–अधिगम की गुणवत्ता में सुधार हो सके। छात्राओं के लिए उपचारात्मक शिक्षण एवं अधिगम कार्यक्रमों को मजबूत किया जाना चाहिए जिससे कमजोर शैक्षिक पृष्ठभूमि वाली बालिकाएँ भी बेहतर प्रदर्शन कर सकें। डिजिटल शिक्षा एवं ICT सुविधाओं का विस्तार कर स्मार्ट क्लास,

ई–लर्निंग प्लेटफार्म जैसे दीक्षा का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाये। निगरानी एवं मूल्यांकन प्रणाली को मजबूत किया जाए, ताकि योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता बनी रहे। अंततः अभिभावकों एवं समुदाय की सहभागिता बढ़ाना भी आवश्यक है जिससे बालिकाओं की निरंतरता एवं सशक्तिकरण सुनिश्चित हो सके।

निष्कर्ष – कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना के द्वारा ग्रामीण वंचित एवं सामाजिक रूप से पिछड़े समुदाय की बालिकाओं के लिए शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध कराये गये हैं। कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में बालिकाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक बदलाव के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। समाज में जहाँ पारंपरिक रूढ़ियाँ बेटियों की शिक्षा में बाधा थीं वहीं क0गा0बा0वि0 ने समाज के दृष्टिकोण में परिवर्तन का कार्य किया जिससे समाज में बालिका शिक्षा के प्रति सकारात्मक परिवर्तन हुए। बालिकाओं में आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास व नेतृत्व क्षमता में वृद्धि हुई तथा वे जीवन कौशल, व्यावसायिक प्रशिक्षण को सीखने में तत्पर हुईं। अध्ययनों से यह भी ज्ञात होता है कि क0गा0बा0 विद्यालयों में नामांकन, उपस्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि हुई है तथा विद्यालय छोड़ने की प्रवृत्ति में कमी आई है। इस योजना ने बालिकाओं में स्वावलम्बन एवं भविष्य के प्रति आशावाद भी विकसित किया है।

हालाँकि प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी, आधारभूत सुविधाओं का अभाव, तकनीकी संसाधनों की सीमित उपलब्धता तथा शिक्षण गुणवत्ता में क्षेत्रीय असमानतायें अभी भी प्रमुख चुनौतियाँ हैं। अतः कहा जा सकता है कि क0गा0बा0वि0 योजना बालिका शिक्षा की दिशा में एक प्रभावी पहल है, जिसने शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उचित सुधारों एवं सतत् निगरानी के माध्यम से इसकी प्रभावशीलता को और अधिक बढ़ाया जा सकता है।

संदर्भ सूची –

भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय (2025), *विद्यालय शिक्षा एवं साक्षरता विभाग.* https://sansad.in/get file/annex/269/AU1164vE 3SFQ.PDF.

शिक्षा मंत्रालय (एन.डी.) *समग्र शिक्षा उत्तर प्रदेश.* http://www.samagrashiksha.up.in.

चैटरी, एस. (2025, दिसम्बर 10), *कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय रिटेन ओनली 50% हायर क्लास स्टूडेंट डिसपाइट इम्प्रूवड इनरोलमैन्ट, कैरियरस 360.* http://newscareers360.com/Kasturba-gandhi-balika-vidyalaya-kgbv.

सिंह, ए. (2025 सितम्बर 06) *उत्तर प्रदेश में शिक्षक दिवस पर बेटियों को शिक्षा का तोहफाः कस्तूरबा गाँधी विद्यालय बन रहे सशक्तिकरण का केन्द्र, जागरण* http://www.jagran.com/uttar-pradesh/lucknow-city-empowering-girls-uttar-pradesh-kasturba-gandhi-balika-vidyalayas-tranform-education-24037930.

एन.सी.इ.आर.टी. रिपोर्ट इशु इन क0गा0बा0 विद्यालय. http://pwonlyian.com/current-affairs/ncert-report-issues-in-kgbv-schools.

मिनिस्टरी ऑफ एजूकेशन, (2024, जुलाई 03). *मिनिस्टरी ऑफ एजूकेशन टू प्रोबाइड आई.सी.टी. लैब्स एण्ड स्मार्ट क्लासरूम इन ऑल फंकशनल कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय एण्ड होस्टल,* पी.आई.बी.

दिल्लीhttps://www.pib.gov.in/pressrelease/framepage.aspx?PRID=20304308reg=3long=2

एन.सी.ई.आर.टी. (2023) *के.जी.बी.वी. रिर्पोट 2022–2023.* https://ncert.nic.in/dgs/pdf/kgbv-report2022-2023.pdf.

शिक्षा मंत्रालय (एन.डी.), समग्र शिक्षा उत्तर प्रदेश. https://samagra.education.gov.in/features.html

प्रसाद, एम., & चौबे, पी.के. (2026), कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की बालिकाओं के सशक्तिकरण की संभावना : एक अध्ययन. *जनरल ऑफ एड्वान्स एण्ड फ्यूचर रिसर्च, 4*(3).

पैरी, & ए., & नज्जर, ए.ए. (2023), इम्पावरिंग गर्ल्स थ्रो एजूकेशनः रोल ऑफ केजीबीवी स्कूल्स. *इन्टरनेशनल जनरल ऑफ एडवांस रिसर्च,* 1(2).

पाण्डेय, एल., & कुमारी, आर. (2019) परसीवड़ इम्पावरमैन्ट ऑफ गर्ल्स स्टूडेन्ट्स : ए स्ट्डी ऑफ केजीबीवी इन बिहार. *इन्टरेनेशनल जनरल ऑफ रिसर्च एण्ड एनालिटिकल रिव्यूज, 6*(2).

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (2026, फरवरी 13) *सरकार ने बालिकाओं के शैक्षिक, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण को संबोधित करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया है.* पी.आई.बी. दिल्ली. https://cag.gov.in/webroot/uploads/download/audit-report/2025/report-No-05-2025-PA-School-Education-English

इवैल्युऐशन ऑफ कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय स्कीम (2020), रिपोर्ट सब्मिटेड टू नीति आयोग http://www.Niti.gov.in.

एनुअल स्टेट्स ऑफ एजुकेशन रिर्पोट (2023). https://asercentre.org/aser_2023_beyond-basics

चौधरी, ए., & गोस्वामी, एस. (2024), स्टडी ऑफ कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय स्कीम : इट्स स्कोप, ऑबजैक्टिवस एण्ड कम्पोनेन्ट्स. *शोध सागर यूनीवर्सल रिसर्च रिपोर्ट, 11(5).* https://doi.org10.36636/urr.VII.i5.1494.

उत्तर प्रदेश सरकार कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय उत्तर प्रदेश https://www.kgbv.upsdc.gov.in.

कुमारी, बी., & गुप्ता, आर. (2024) कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय की भूमिका के परिप्रेक्ष्य में नारियों के प्रति बदलता सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक दृष्टिकोण, *इन्टरनेशनल जनरल ऑफ हयूमैनिट्रीज एण्ड आर्ट्स, 6(1).*